# कार्यकारी-सार

# कार्यकारी सार

मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड ने वर्ष 2006 में, ₹ 7,943 करोड़ की अनुमानित लागत के साथ एक रिफाइनरी उन्नयन परियोजना शुरू करने का निर्णय लिया। इस परियोजना का उद्देश्य रिफाइनरी की क्षमता 11.82 एमएमटीपीए से बढ़ाकर 15 एमएमटीपीए करना तथा मूल्य वर्द्धित उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि करना था। जून 2010 में, परियोजना के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के कारण अनुमानित लागत संशोधित करके ₹ 15,008 करोड़ कर दी गई। परियोजना, जिसे शुरू में जून 2010 में ही पूर्ण किया जाना प्रस्तावित था उसे वास्तव में जून 2015 में पूरा किया गया था।

इस निष्पादन लेखापरीक्षा की अवधि में, 2011-16 के दौरान परियोजना के अंतर्गत इकाइयों की योजना, निष्पादन एवं उनके संस्थापन तथा रिफाइनरी प्रचालनों पर इसके प्रभाव की समीक्षा की गई थी। महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों का विवरण निम्नवत है:

- योजना में कमी, मौजूदा इकाइयों में सुधार करने एवं अतिरिक्त इकाइयां चालू करने के संबंध में स्पष्टता न होने के कारण दो वर्षों का विलम्ब और ₹ 2,509 करोड़ तक लागत बढ़ गई।

**(पैराग्राफ 2.1.1)**

- कंपनी ने संबद्ध मुद्रा में उतार-चढ़ाव जोखिम का बचाव किए बिना बाहर से वाणिज्यिक उधार लिए। ऋण चुकाने पर (सितम्बर 2016 तक) विनियम दर अंतर के कारण कंपनी को लगभग ₹ 13.70 करोड़ (निवल मुद्रा बचाव लागत) की हानि हुई तथा अमेरिकी डॉलर के प्रति रूपया मजबूत न होने पर और भी हानि हो सकती है।

**(पैरा 2.2.1)**

- कंपनी ने परियोजना के लिए अपनी आवश्यकताओं से अधिक निधियों का आहरण किया जिसके कारण ₹ 768.46 करोड़, ब्याज रहित चालू खाते में बेकार पड़ा रहा।

**(पैराग्राफ 2.2.2)**

- लेखापरीक्षा में समीक्षा किए गए 87 प्रमुख ठेकों में से स्वीकृत पत्र जारी करने के पश्चात् 84 मामलों में औपचारिक ठेके के निष्पादन में देरी हुई थी।

**(पैराग्राफ 2.3.2)**

- कैप्टिव विद्युत संयंत्र देर से चालू होने के कारण कई प्रसंस्करण इकाइयां 11 से 26 महीनों तक निष्क्रिय पड़ी रहीं, जबकि अभियांत्रिकी रूप से पूर्ण हो चुकी थी।

**(पैराग्राफ 2.4.1)**

- मालभाड़ में बचत, विलम्ब शुल्क से बचने और सकल रिफाइनरी मार्जिन में सुधार जैसा कि सिंगल पॉइंट मूरिंग सुविधा स्थापित करने का निर्णय लेते समय परिकल्पना की गई थी, को वास्तव में प्राप्त नहीं किया गया था।

**(पैराग्राफ 2.5.5)**

- पुनर्निर्मित हाइड्रोक्रैकर इकाइयों का पेट्रोकेमिकल्स फ्लूडाइज कैटेलिटिक क्रैकिंग इकाई के साथ सिंक्रोनाइजेशन न करने के कारण 2011-12 से 2014-15 की अवधि के दौरान उच्च मूल्य उत्पादों के स्थान पर कम मूल्य उत्पादों का उत्पादन हुआ जिसके परिणामस्वरूप ₹ 6328.76 करोड़ के राजस्व की हानि हुई।

**(पैराग्राफ 3.3)**

- अगस्त 2014 से मई 2015 की अवधि के दौरान निर्धारित उत्पादन के अनुसार प्रोपलीन का उत्पादन न होना और इसका पॉली प्रोपलीन इकाई में पाली प्रोपलीन, जो उच्च मूल्य उत्पाद है; में परिवर्तन न करने के परिणामस्वरूप ₹ 382.83 करोड़ की हानि हुई।

**(पैराग्राफ 3.6.2)**

- प्रसंस्करण इकाइयों में मानकों से अधिक भाप की खपत हुई और ₹ 231.94 करोड़ का अतिरिक्त व्यय हुआ।

**(पैराग्राफ 4.1)**

- पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों के अनुपालन में विलम्ब हुआ।

**(पैराग्राफ 5.1, 5.2 और 5.3)**